समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 26 September 2026

यामी गौतम और इमरान हाशमी की फिल्म 'हक' का ट्रेलर रिलीज : शाह बानो केस पर आधारित मुसलमान महिला की हक की लड़ाई

Publisher

Published on 28 Oct 2025

बॉलीवुड अभिनेत्री **यामी गौतम** और अभिनेता **इमरान हाशमी** की फिल्म '**हक**' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया और यूट्यूब पर काफी चर्चा में है। यह फिल्म **शाह बानो केस** पर आधारित है और एक मुसलमान महिला की अपने अधिकारों की लड़ाई की कहानी को पर्दे पर जीवंत करती है।

ट्रेलर की शुरुआत ही दर्शकों को बांधने वाली है। यामी गौतम की आवाज़ और संवाद ट्रेलर के हर पल को भावनात्मक रूप से मजबूत बनाते हैं। ट्रेलर का आखिरी 10 सेकेंड दर्शकों के दिल को झकझोर देता है, जिसमें यामी गौतम कहती हैं,

> "हम सिर्फ मुसलमान औरत नहीं, हम हिंदुस्तान की मुसलमान औरत हैं।"
> यह संवाद न केवल फिल्म की थीम को स्पष्ट करता है, बल्कि भारतीय समाज में महिला सशक्तिकरण और मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों पर जोर भी देता है।

फिल्म 'हक' में यामी गौतम का किरदार एक **साहसी और जुझारू महिला** के रूप में पेश किया गया है। शाह बानो केस पर आधारित यह कहानी उन चुनौतियों को दर्शाती है जो मुस्लिम महिलाओं को अपने कानूनी अधिकारों के लिए सामना करना पड़ता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि कैसे महिला अपने हक के लिए लड़ती है, सामाजिक और पारिवारिक दबाव का सामना करती है और न्याय की तलाश में संघर्ष करती है।

इमरान हाशमी का किरदार फिल्म में महिला के सहायक और समर्थक के रूप में दिखाया गया है। ट्रेलर में उनके और यामी गौतम के बीच संवाद और कैमिस्ट्री फिल्म की कहानी को और प्रभावशाली बनाती है। निर्देशक ने ट्रेलर में भावनाओं और तनाव का संतुलित मिश्रण पेश किया है, जो दर्शकों को पूरे फिल्म की कहानी जानने के लिए उत्साहित करता है।

फिल्म का ट्रेलर सामाजिक संदेश भी देता है। यह दर्शाता है कि महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना चाहिए और किसी भी धार्मिक या सामाजिक सीमाओं से डरने की जरूरत नहीं है। यामी गौतम का किरदार दर्शकों को यह संदेश देता है कि **सशक्त महिला न केवल अपने परिवार और समुदाय की बल्कि पूरे समाज की आवाज़ बन सकती है।**

ट्रेलर में शाह बानो केस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि का संदर्भ भी दिखाया गया है। 1985 में शाह बानो केस ने भारतीय समाज और कानून में महिलाओं के अधिकारों पर बड़ा प्रभाव डाला था। इस फिल्म के माध्यम से युवा पीढ़ी को इस ऐतिहासिक मुद्दे की जानकारी देने का प्रयास किया गया है।

फिल्म 'हक' का निर्देशन और पटकथा दोनों ही सटीक और संवेदनशील दृष्टिकोण से तैयार किया गया है। ट्रेलर में हर दृश्य, संवाद और कैमरा एंगल कहानी की गंभीरता को उजागर करता है। इसके साथ ही संगीत और बैकग्राउंड स्कोर फिल्म की भावनात्मक गहराई को बढ़ाते हैं।

सिनेमा विशेषज्ञों का मानना है कि यामी गौतम और इमरान हाशमी की यह फिल्म केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक **सामाजिक संदेश और महिला सशक्तिकरण का प्रतीक** भी है। फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच चर्चा का माहौल तैयार कर दिया है। सोशल मीडिया पर ट्रेलर वायरल हो रहा है और लोग यामी गौतम के किरदार की सराहना कर रहे हैं।

फिल्म में दिखाया गया संघर्ष, न्याय और महिला सशक्तिकरण का संदेश भारतीय समाज में जागरूकता पैदा कर सकता है। यह फिल्म विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन सकती है जो अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही हैं।

ट्रेलर की सफलता के बाद फिल्म की रिलीज़ की तारीख और अन्य विवरण भी अब चर्चा में हैं। बॉलीवुड समीक्षक और मीडिया विशेषज्ञ मानते हैं कि 'हक' दर्शकों को सोचने पर मजबूर करेगी और सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाने में मदद करेगी।

अंत में, यामी गौतम का यह संवाद – "**हम सिर्फ मुसलमान औरत नहीं, हम हिंदुस्तान की मुसलमान औरत है**" – फिल्म की थीम का सार प्रस्तुत करता है। यह संवाद न केवल दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ता है, बल्कि भारतीय महिलाओं की सशक्त आवाज़ को भी उजागर करता है।

फिल्म का ट्रेलर देखकर यह उम्मीद जताई जा रही है कि 'हक' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि **समाज मे मंहिला अधिकार और न्याय के मुद्दों पर जागरूकता फैलाने वाला माध्यम** बन सकती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.